শব্দরূপ

● **ধ্বনি → বর্ণ → শব্দ → পদ (প্রকৃতি প্রত্যয়) → বাক্য**

❒ **ধ্বনি** — মানুষের মুখ থেকে উচ্চারিত শব্দের ক্ষুদ্রতম অংশকে ধ্বনি বলে। যথা - রাম - 'র্ আ ম্ অ' - এখানে 'রাম' শব্দে চারটি ধ্বনি আছে। ধ্বনি দুই প্রকার — ১) স্বরধ্বনি এবং ২) ব্যঞ্জনধ্বনি। 'রাম' শব্দে 'আ অ' - হল স্বরধ্বনি এবং 'র্ ম্' - হল ব্যঞ্জনধ্বনি।

❒ **বর্ণ** — ধ্বনিকে লিখিত আকারে ভাষায় প্রকাশ করার জন্য কতকগুলি সাঙ্কেতিক চিহ্ন ব্যবহার করা হয়। ঐ সাঙ্কেতিক চিহ্নগুলোকে বর্ণ বলে। বর্ণ দুই প্রকার — ১) স্বরবর্ণ এবং ২) ব্যঞ্জনবর্ণ। সংস্কৃতে সমস্ত স্বরবর্ণকে একসঙ্গে 'অচ্' আর সমস্ত ব্যঞ্জনবর্ণকে 'হল্' বলা হয়।

❒ **শব্দ** — অর্থযুক্ত ধ্বনি বা ধ্বনিসমষ্টি অথবা বর্ণ বা বর্ণসমষ্টিকে শব্দ বলে। সংস্কৃতভাষায় মূল শব্দের নাম হলো **'প্রকৃতি'**। প্রকৃতি দুই প্রকার - ধাতু ও প্রাতিপদিক।

ক) ধাতু — ক্রিয়াবাচী ভূ-প্রভৃতির ধাতুসংজ্ঞা হয় 'ভূবাদয়ো ধাতবঃ' (১।৩।১)। যথা - পঠ্-ধাতুর অর্থ পড়া। খ) প্রাতিপদিক - বিভক্তিহীন অর্থযুক্ত শব্দ হল প্রাতিপদিক বা নাম। সূত্রকার পাণিনি বলেছেন - **'অর্থবদধাতুরপ্রত্যয়ঃ প্রাতিপদিকম্'** (১।২।৪৫) অর্থাৎ ধাতু, প্রত্যয় এবং প্রত্যয়ান্ত শব্দ ছাড়া অর্থযুক্ত শব্দকে প্রাতিপদিক বলে। এছাড়া, কৃৎপ্রত্যয়ান্ত, তদ্ধিতপ্রত্যয়ান্ত ও সমাসনিষ্পন্ন শব্দগুলোও প্রাতিপদিক হয় - 'কৃত্তদ্ধিতসমাসাশ্চ' (১।২।৪৬)। * আবার অনর্থক নিপাতগুলিরও প্রাতিপদিকসংজ্ঞা হয় - 'নিপাতস্যানর্থকস্য **প্রাতিপদিকসংজ্ঞা বক্তব্যা**' (বার্ত্তিক)। প্রাতিদিকের উদাহরণ যথা - বৃক্ষ, লতা ইত্যাদি।

❒ **বিভক্তি** - শব্দের অর্থাৎ প্রাতিপদিকের পরে সু, ঔ, জস্ প্রভৃতি এবং ধাতুর পরে তিপ্, তস্, ঝি প্রভৃতি যে সকল প্রত্যয় যুক্ত হয়, তাদেরকে বিভক্তি বলে। বিভক্তির দ্বারা সংখ্যা ও কারক বোঝা যায়। তাই বলা হয়েছে - **'সংখ্যাকারকবোধয়িত্রী বিভক্তিঃ'**। বিভক্তি দুই প্রকার - সুপ্ বিভক্তি ও তিঙ্বিভক্তি।

শব্দের (প্রাতিপদিকের) উত্তর যে বিভক্তি হয়, তাকে সুপ্ বিভক্তি বলে। যথা - **রাম (প্রাতিপদিক) + সু (বিভক্তি) = রামঃ (পদ)**। সুপ্ বিভক্তি বলতে সু ঔ জস্ ইত্যাদির মধ্যে প্রথমার একবচনের 'সু' থেকে আরম্ভ করে সপ্তমীর বহুবচনের সুপ্ বিভক্তির 'প্' পর্যন্ত একুশটি বিভক্তিকে বোঝায়। সুপ্ বিভক্তিগুলি **প্রথমা, দ্বিতীয়া, তৃতীয়া, চতুর্থী, পঞ্চমী, ষষ্ঠী ও সপ্তমী** - এই সাত ভাগে বিভক্ত এবং এদের প্রত্যেকটির আবার একবচন, দ্বিবচন ও বহুবচন এই তিন ভেদে মোট (৭ × ৩ = ২১) একুশটি সুপ্ বিভক্তি।

● **সুপ্ বিভক্তির আকৃতি নিম্নে প্রদত্ত হল :**

বিভক্তি (Case-ending)	একবচন (Singular)	দ্বিবচন (Dual)	বহুবচন (Plural)
প্রথমা -	সু (सु)	ঔ (औ)	জস্ (जस्)
দ্বিতীয়া -	অম্ (अम्)	ঔট্ (औट्)	শস্ (शस्)
তৃতীয়া -	টা (टा)	ভ্যাম্ (भ्याम्)	ভিস্ (भिस्)
চতুর্থী -	ঙে (ङे)	ভ্যাম্ (भ्याम्)	ভ্যস্ (भ्यस्)
পঞ্চমী -	ঙসি (ङसि)	ভ্যাম্ (भ्याम्)	ভ্যস্ (भ्यस्)
ষষ্ঠী -	ঙস্ (ङस्)	ওস্ (ओस्)	আম্ (आम्)
সপ্তমী -	ঙি (ङि)	ওস্ (ओस्)	সুপ্ (सुप्)
সম্বোধন -	সু (सु)	ঔ (औ)	জস্ (जस्)

১) পাঠ্যশব্দরূপ (শব্দরূপ /शब्दरूपम्) :

(नर, मुनि, साधु, लता, नदी, मति, फल, वारि, मधु, अस्मद्, युष्मद्, तत्, यत्, इदम्,किम्, अदस्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्, पञ्चन्, षस्, अष्टन्)

স্বরান্ত পুংলিঙ্গ শব্দ
অকারান্ত পুংলিঙ্গ শব্দ
নর (মানুষ - Man)

বিভক্তি	একবচন	দ্বিবচন	বহুবচন
প্রথমা	নরঃ	নরৌ	নরাঃ
দ্বিতীয়া	নরম্	নরৌ	নরান্
তৃতীয়া	নরেণ	নরাভ্যাম্	নরৈঃ
চতুর্থী	নরায়	নরাভ্যাম্	নরেভ্যঃ
পঞ্চমী	নরাৎ	নরাভ্যাম্	নরেভ্যঃ
ষষ্ঠী	নরস্য	নরয়োঃ	নরাণাম্
সপ্তমী	নরে	নরয়োঃ	নরেষু
সম্বোধন	নর	নরৌ	নরাঃ

१) रामशब्द:

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	नर:	नरौ	नरा:
द्वितीया	नरम्	नरौ	नरान्
तृतीया	नरेण	नराभ्याम्	नरै:
चतुर्थी	नराय	नराभ्याम्	नरेभ्य:
पञ्चमी	नरात्	नराभ्याम्	नरेभ्य:
षष्ठी	नरस्य	नरयो:	नराणाम्
सप्तमी	नरे	नरयो:	नरेषु
सम्बोधनम्	नरे	नरा	नरा:

❖ দ্রষ্টব্য - অশ্ব, অরুণ, বৃক্ষ, রাম, আচার্য, শিক্ষক, গ্রহ, গজ, পক্ষ, দেব, বর্ণ, শিষ্য, চন্দ্র, দেশ, দর্পণ, স্বভাব, অনিল, অনল, সূর্য, গ্রন্থ, শ্রম, মাধব, অর্পণ, সমাজ, কলহ, রস, তাপ, জনক, অর্থ, অনুজ, কর প্রভৃতি সমস্ত পুংলিঙ্গ অ-কারান্ত শব্দের রূপ 'নর' শব্দের মতো হবে।

❒ বিভক্তি ও বচন অনুসারে 'নর' শব্দের যে যে অর্থ হয় তা নীচে আলোচনা করা হল :

বিভক্তি	একবচন	দ্বিবচন	বহুবচন
প্রথমা (কর্তৃকারক)	নরঃ (একজন মানুষ)	নরৌ (দুজন মানুষ)	নরাঃ (মানুষেরা)
দ্বিতীয়া (কর্মকারক)	নরম্ (একজন মানুষকে)	নরৌ (দুজন মানুষকে)	নরান্ (মানুষদেরকে)
তৃতীয়া (করণ কারক)	নরেণ (একজন মানুষের দ্বারা)	নরাভ্যাম্ (দুজন মানুষের দ্বারা)	নরৈঃ (মানুষদের দ্বারা)
চতুর্থী (সম্প্রদানকারক)	নরায় (একজন মানুষের জন্য)	নরাভ্যাম্ (দুজন মানুষের জন্য)	নরেভ্যঃ (মানুষদের জন্য)
পঞ্চমী (অপাদানকারক)	নরাৎ (একজন মানুষ থেকে)	নরাভ্যাম্ (দুজন মানুষ থেকে)	নরেভ্যঃ (মানুষগুলি থেকে)
ষষ্ঠী (সম্বন্ধ)	নরস্য (একজন মানুষের)	নরয়োঃ (দুজন মানুষের)	নরাণাম্ (মানুষদের)
সপ্তমী (অধিকরণকারক)	নরে (একজন মানুষে)	নরয়োঃ (দুজন মানুষে)	নরেষু (মানুষগুলিতে)
সম্বোধন	নর (হে মানুষটি)	নরৌ (হে মানুষ দুজন)	নরাঃ (হে মানুষগণ)

ইকারান্ত পুংলিঙ্গ শব্দ
মুনি (মুনি - Sage)

২) মুনি-শব্দ:

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	मुनिः	मुनी	मुनयः
द्वितीया	मुनिम्	मुनी	मुनीन्
तृतीया	मुनिना	मुनिभ्याम्	मुनिभिः
चतुर्थी	मुनये	मुनिभ्याम्	मुनिभ्यः
पञ्चमी	मुनेः	मुनिभ्याम्	मुनिभ्यः
षष्ठी	मुनेः	मुन्योः	मुनीनाम्
सप्तमी	मुनौ	मुन्योः	मुनिषु
सम्बोधनम्	मुने	मुनी	मुनयः

❖ **দ্রষ্টব্য** - কবি, হরি, ঋষি, অসি, অতিথি, ধ্বনি, রবি, বহ্নি, ব্রীহি, সারথি, অহি, বিধি, গিরি, অগ্নি, যতি প্রভৃতি যাবতীয় পুংলিঙ্গ ই-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

উকারান্ত পুংলিঙ্গ শব্দ

সাধু (ঋষি, সন্ন্যাসী - A pious man)

৩) সাধু-শব্দঃ

বিভক্তিঃ	একবচনম্	দ্বিবচনম্	বহুবচনম্
প্রথমা	সাধুঃ	সাধূ	সাধবঃ
দ্বিতীয়া	সাধুম্	সাধূ	সাধূন্
তৃতীয়া	সাধুনা	সাধুভ্যাম্	সাধুভিঃ
চতুর্থী	সাধবে	সাধুভ্যাম্	সাধুভ্যঃ
পঞ্চমা	সাধোঃ	সাধুভ্যাম্	সাধুভ্যঃ
ষষ্ঠী	সাধোঃ	সাধ্বোঃ	সাধূনাম্
সপ্তমী	সাধৌ	সাধ্বোঃ	সাধুষু
সম্বোধনম্	সাধো	সাধূ	সাধবঃ

❖ দ্রষ্টব্য - বন্ধু, ঋতু, তরু, ধাতু, বাহু, ভানু, মৃত্যু, রাহু, শিশু, সেতু, হেতু, জন্তু, পশু, বিধু, মনু, গুরু প্রভৃতি যাবতীয় পুংলিঙ্গ উ-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

স্বরান্ত স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ

আকারান্ত স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ

লতা (লতা - Creeper)

৪) লতা-শব্দঃ

বিভক্তিঃ	একবচনম্	দ্বিবচনম্	বহুবচনম্
প্রথমা	লতা	লতে	লতাঃ
দ্বিতীয়া	লতাম্	লতে	লতাঃ
তৃতীয়া	লতয়া	লতাভ্যাম্	লতাভিঃ
চতুর্থী	লতায়ৈ	লতাভ্যাম্	লতাভ্যঃ
পঞ্চমী	লতায়াঃ	লতাভ্যাম্	লতাভ্যঃ
ষষ্ঠী	লতায়াঃ	লতয়োঃ	লতানাম্
সপ্তমী	লতায়াম্	লতয়োঃ	লতাসু
সম্বোধনম্	লতে	লতে	লতাঃ

❖ দ্রষ্টব্য - কন্যা, কৃপা, ঘৃণা, করুণা, গুহা, কবিতা, মালা, চেষ্টা, প্রজা, শোভা, সভা, সুধা, জিহ্বা, কলা, আশা, দেবতা, ভার্যা, জায়া, নিশা, শিক্ষা, সেনা, ক্ষমা, নিদ্রা, চিন্তা, নৌকা, প্রার্থনা প্রভৃতি যাবতীয় স্ত্রীলিঙ্গ আ-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

ঈকারান্ত স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ

নদী (নদী- River)

৫) नदीशब्दस्य रूपाणि (ईकारान्त-स्त्रीलिङ्गः)

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	नदी	नद्यौ	नद्यः
द्वितीया	नदीम्	नद्यौ	नदीः
तृतीया	नद्या	नदीभ्याम्	नदीभिः
चतुर्थी	नद्यै	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
पञ्चमी	नद्याः	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
षष्ठी	नद्याः	नद्योः	नदीनाम्
सप्तमी	नद्याम्	नद्योः	नदीषु
सम्बोधनम्	नदि	नद्यौ	नद्यः

❖ দ্রষ্টব্য - কৌমুদী, নারী, মহী, পৃথিবী, নগরী, লেখনী, শ্রেণী, পদবী, তরণী, রজনী, যুবতী, রমণী প্রভৃতি যাবতীয় স্ত্রীলিঙ্গ ঈ-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

ইকারান্ত স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ

মতি (বুদ্ধি - Mind, Intellect)

৬) मतिशब्दस्य रूपाणि (इकारान्त-स्त्रीलिङ्गः)

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	मतिः	मती	मतयः
द्वितीया	मतिम्	मती	मतीः
तृतीया	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
चतुर्थी	मत्यै, मतये	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
पञ्चमी	मत्याः, मतेः	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
षष्ठी	मत्याः, मतेः	मत्योः	मतीनाम्
सप्तमी	मत्याम्, मतौ	मत्योः	मतिषु
सम्बोधनम्	मते	मती	मतयः

❖ দ্রষ্টব্য - বুদ্ধি, কৃতি, উন্নতি, শান্তি, প্রকৃতি, শ্রুতি, মুক্তি, সমিতি, গীতি, রতি, ভূমি, পদ্ধতি, বিপত্তি, সম্পত্তি, ব্রততি, ভক্তি, রাত্রি, বিপণি, সরণি প্রভৃতি যাবতীয় স্ত্রীলিঙ্গ ই-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

স্বরান্ত ক্লীবলিঙ্গ শব্দ
অকারান্ত ক্লীবলিঙ্গ শব্দ
ফল (ফল - Fruit)

৭) फल-शब्द:

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	फलम्	फले	फलानि
द्वितीया	फलम्	फले	फलानि
तृतीया	फलेन	फलाभ्याम्	फलै:
चतुर्थी	फलाय	फलाभ्याम्	फलेभ्य:
पञ्चमा	फलात्	फलाभ्याम्	फलेभ्य:
षष्ठी	फलस्य	फलयो:	फलानाम्
सप्तमी	फले	फलयो:	फलेषु
सम्बोधनम्	फल	फले	फलानि

❖ **দ্রষ্টব্য** - কারণ, কাব্য, কানন, জ্ঞান, মুখ, নাটক, অমৃত, যুদ্ধ, পুষ্প, সৌন্দর্য, স্বাস্থ্য, হাস্য, মাংস, রাষ্ট্র, ধন, কুটীর, প্রভাত, ভাগ্য, নৃত্য, ভবন, চরণ, গৃহ, অরণ্য, অন্ন, জীবন, গগন, মিত্র, বস্ত্র, ভয়, বচন, বাক্য প্রভৃতি যাবতীয় ক্লীবলিঙ্গ অ-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

ইকারান্ত ক্লীবলিঙ্গ শব্দ
বারি (জল - Water)

৮) वारिशब्दस्य रूपाणि (इकारान्त-क्लीवलिङ्ग:)

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	वारि	वारिणी	वारीणि
द्वितीया	वारि	वारिणी	वारीणि
तृतीया	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभि:
चतुर्थी	वारिणे	वारिभ्याम्	वारिभ्य:
पञ्चमी	वारिण:	वारिभ्याम्	वारिभ्य:
षष्ठी	वारिण:	वारिणो:	वारीणाम्
सप्तमी	वारिणि	वारिणो:	वारिषु
सम्बोधनम्	वारि, वारे	वारिणी	वारीणि

❖ **দ্রষ্টব্য** - অক্ষি, অস্থি, সক্থি, দধি ভিন্ন যাবতীয় বিশেষ্য ইকারান্ত ক্লীবলিঙ্গ শব্দের রূপ 'বারি' শব্দের ন্যায়।

উকারান্ত ক্লীবলিঙ্গ শব্দ

মধু (মৌ - Honey)

৯) मधुशब्दस्य रूपाणि (उकारान्त-क्लीवलिङ्गः)

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	मधु	मधुनी	मधूनि
द्वितीया	मधु	मधुनी	मधूनि
तृतीया	मधुना	मधुभ्याम्	मधुभिः
चतुर्थी	मधुने	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
पञ्चमी	मधुनः	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
षष्ठी	मधुनः	मधुनोः	मधूनाम्
सप्तमी	मधुनि	मधुनोः	मधुषु
सम्बोधनम्	मधु, मधो	मधुनी	मधूनि

❖ **দ্রষ্টব্য** - জতু, জানু, তালু, দারু, বস্তু, শ্মশ্রু, সানু, অম্বু, অশ্রু, মরু প্রভৃতি যাবতীয় ক্লীবলিঙ্গ উ-কারান্ত শব্দের এই রূপ।

সর্বনাম শব্দ

অস্মদ্ (আমি - Individual Soul, I)

১০) अस्मद्-शब्दस्य रूपाणि :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वितीया	माम्, मा	आवाम्, नौ	अस्मान्, नः
तृतीया	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
चतुर्थी	मह्यम्, मे	आवाभ्याम् , नौ	अस्मभ्यम्, नः
पञ्चमी	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
षष्ठी	मम, मे	आवयोः, नौ	अस्माकम्, नः
सप्तमी	मयि	आवयोः	अस्मासु

সর্বনাম শব্দ

যুষ্মদ্ (তুমি - Thou, You)

११) युष्मद्-शब्दस्य रूपाणि :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीया	त्वाम्, त्वा	युवाम् , वाम्	युष्मान् , वः
तृतीया	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
चतुर्थी	तुभ्यम्, ते	युवाभ्याम् , वाम्	युष्मभ्यम्, वः
पञ्चमी	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी	तव, ते	युवयोः , वाम्	युष्माकम्, वः
सप्तमी	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

সর্বনাম শব্দ

তদ্-শব্দ পুংলিঙ্গ (সে, তিনি - He)

१२) क) तत्-शव्दस्य रूपाणि पुंलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	सः	तौ	ते
द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

তদ্-শব্দ ক্লীবলিঙ্গ (এটি - That, It)

ख) तत्-शव्दस्य रूपाणि क्लीवलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	तत्	ते	तानि
द्वितीया	तत्	ते	तानि
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

তদ্-শব্দ স্ত্রীলিঙ্গ (সে, তিনি - She)

ग) तत्-शव्दस्य रूपाणि स्त्रीलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	सा	ते	ताः
द्वितीया	ताम्	ते	ताः
तृतीया	तया	ताभ्याम्	ताभिः
चतुर्थी	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः
पञ्चमी	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
षष्ठी	तस्याः	तयोः	तासाम्
सप्तमी	तस्याम्	तयोः	तासु

সর্বনাম শব্দ

যদ্-শব্দ পুংলিঙ্গ (যে, যিনি - Who)

१३) क) यत्-शब्दस्य रूपाणि पुंलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	यः	यौ	ये
द्वितीया	यम्	यौ	यान्
तृतीया	येन	याभ्याम्	यैः
चतुर्थी	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः
पञ्चमी	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः
षष्ठी	यस्य	ययोः	येषाम्
सप्तमी	यस्मिन्	ययोः	येषु

যদ্-শব্দ পুংলিঙ্গ (যেটি - Which)

ख) यत्-शब्दस्य रूपाणि क्लीवलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	यत्	ये	यानि
द्वितीया	यत्	ये	यानि
तृतीया	येन	याभ्याम्	यैः
चतुर्थी	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः
पञ्चमी	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः
षष्ठी	यस्य	ययोः	येषाम्
सप्तमी	यस्मिन्	ययोः	येषु

যদ্-শব্দ পুংলিঙ্গ (যে, যিনি - Who)

ग) यत्-शब्दस्य रूपाणि स्त्रीलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	या	ये	याः
द्वितीया	याम्	ये	याः
तृतीया	यया	याभ्याम्	याभिः
चतुर्थी	यस्यै	याभ्याम्	याभ्यः
पञ्चमी	यस्याः	याभ्याम्	याभ्यः
षष्ठी	यस्याः	ययोः	यासाम्
सप्तमी	यस्याम्	ययोः	यासु

সর্বনাম শব্দ

ইদম্-শব্দ পুংলিঙ্গ (এই, ইনি - This)

১৪) क) इदम्-शब्दस्य रूपाणि पुंलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	अयम्	इमौ	इमे
द्वितीया	इमम्, एनम्	इमौ, एनौ	इमान्, एनान्
तृतीया	अनेन, एनेन	आभ्याम्	एभिः
चतुर्थी	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पञ्चमी	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः
षष्ठी	अस्य	अनयोः, एनयोः	एषाम्
सप्तमी	अस्मिन्	अनयोः, एनयोः	एषु

ইদম্-শব্দ ক্লীবলিঙ্গ (এই, ইনি - This)

ख) इदम्-शब्दस्य रूपाणि क्लीवलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	इदम्	इमे	इमानि
द्वितीया	इदम्	इमे	इमानि
तृतीया	अनेन, एनेन	आभ्याम्	एभिः
चतुर्थी	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पञ्चमी	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः
षष्ठी	अस्य	अनयोः, एनयोः	एषाम्
सप्तमी	अस्मिन्	अनयोः, एनयोः	एषु

ইদম্-শব্দ স্ত্রীলিঙ্গ (এই, ইনি - This)

ग) इदम्-शब्दस्य रूपाणि स्त्रीलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	वहुवचनम्
प्रथमा	इयम्	इमे	इमाः
द्वितीया	इमाम्, एनाम्	इमे, एने	इमाः, एनाः
तृतीया	अनया, एनया	आभ्याम्	आभिः
चतुर्थी	अस्यै	आभ्याम्	आभ्यः
पञ्चमी	अस्याः	आभ्याम्	आभ्यः
षष्ठी	अस्याः	अनयोः, एनयोः	आसाम्
सप्तमी	अस्याम्	अनयोः, एनयोः	आसु

সর্বনাম শব্দ

কিম্-শব্দ পুংলিঙ্গ (কে - Who)

१५) क) किम्-शब्दस्य रूपाणि पुंलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	कः	कौ	के
द्वितीया	कम्	कौ	कान्
तृतीया	केन	काभ्याम्	कैः
चतुर्थी	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः
पञ्चमी	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः
षष्ठी	कस्य	कयोः	केषाम्
सप्तमी	कस्मिन्	कयोः	केषु

কিম্-শব্দ ক্লীবলিঙ্গ (কে - Which, What)

ख) किम्-शब्दस्य रूपाणि क्लीवलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	किम्	के	कानि
द्वितीया	किम्	के	कानि
तृतीया	केन	काभ्याम्	कैः
चतुर्थी	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः
पञ्चमी	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः
षष्ठी	कस्य	कयोः	केषाम्
सप्तमी	कस्मिन्	कयोः	केषु

কিম্-শব্দ স্ত্রীলিঙ্গ (কে - Who)

ग) किम्-शब्दस्य रूपाणि स्त्रीलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	का	के	काः
द्वितीया	काम्	के	काः
तृतीया	कया	काभ्याम्	काभिः
चतुर्थी	कस्यै	काभ्याम्	काभ्यः
पञ्चमी	कस्याः	काभ्याम्	काभ्यः
षष्ठी	कस्याः	कयोः	कासाम्
सप्तमी	कस्याम्	कयोः	कासु

সর্বনাম শব্দ

অদস্-শব্দ পুংলিঙ্গ (ঐ, উনি - That)

१६) क) अदस्-शब्दस्य रूपाणि पुंलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	असौ	अमू	अमी
द्वितीया	अमुम्	अमू	अमून्
तृतीया	अमुना	अमुभ्याम्	अमीभिः
चतुर्थी	अमुष्मै	अमुभ्याम्	अमीभ्यः
पञ्चमी	अमुष्मात्	अमुभ्याम्	अमीभ्यः
षष्ठी	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्
सप्तमी	अमुस्मिन्	अमुयोः	अमीषु

অদস্-শব্দ ক্লীবলিঙ্গ (ঐ - That)

ख) अदस्-शब्दस्य रूपाणि क्लीवलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	अदः	अमू	अमूनि
द्वितीया	अदः	अमू	अमूनि
तृतीया	अमुना	अमुभ्याम्	अमीभिः
चतुर्थी	अमुष्मै	अमुभ्याम्	अमीभ्यः
पञ्चमी	अमुष्मात्	अमुभ्याम्	अमीभ्यः
षष्ठी	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्
सप्तमी	अमुस्मिन्	अमुयोः	अमीषु

অদস্-শব্দ স্ত্রীলিঙ্গ (ঐ, উনি - That)

ग) अदस्-शब्दस्य रूपाणि स्त्रीलिङ्गे :

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	असौ	अमू	अमूः
द्वितीया	अमुम्	अमू	अमूः
तृतीया	अमुया	अमुभ्याम्	अमुभिः
चतुर्थी	अमुष्यै	अमुभ्याम्	अमुभ्यः
पञ्चमी	अमुष्याः	अमुभ्याम्	अमुभ्यः
षष्ठी	अमुष्याः	अमुयोः	अमुषाम्
सप्तमी	अमुष्याम्	अमुयोः	अमुषु

সংখ্যাবাচক শব্দ

এক-শব্দ নিত্য একবচনান্ত (এক - One)

১৭) एक-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-एकवचनान्त: शब्द:) :

	पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	क्लीवलिङ्गे
	एकवचनम्	एकवचनम्	एकवचनम्
प्रथमा	एक:	एका	एकम्
द्वितीया	एकम्	एकाम्	एकम्
तृतीया	एकेन	एकया	एकेन
चतुर्थी	एकस्मै	एकस्यै	एकस्मै
पञ्चमी	एकस्मात्	एकस्या:	एकस्मात्
षष्ठी	एकस्य	एकस्या:	एकस्य
सप्तमी	एकस्मिन्	एकस्याम्	एकस्मिन्

সংখ্যাবাচক শব্দ

দ্বি-শব্দ নিত্য দ্বিবচনান্ত (দুই - Two)

১৮) द्वि-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-द्विवचनान्त: शब्द:) :

	पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	क्लीवलिङ्गे
	द्विवचनम्	द्विवचनम्	द्विवचनम्
प्रथमा	द्वौ	द्वे	द्वे
द्वितीया	द्वौ	द्वे	द्वे
तृतीया	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
चतुर्थी	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
पञ्चमी	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
षष्ठी	द्वयो:	द्वयो:	द्वयो:
सप्तमी	द्वयो:	द्वयो:	द्वयो:

সংখ্যাবাচক শব্দ

ত্রি-শব্দ নিত্য বহুবচনান্ত (তিন - Three)

১৯) त्रि-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-बहुवचनान्त: शब्द:) :

	पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	क्लीवलिङ्गे
	बहुवचनम्	बहुवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	त्रय:	तिस्र:	त्रीणि
द्वितीया	त्रीन्	तिस्र:	त्रीणि
तृतीया	त्रिभि:	तिसृभि:	त्रिभि:
चतुर्थी	त्रिभ्य:	तिसृभ्य:	त्रिभ्य:
पञ्चमी	त्रिभ्य:	तिसृभ्य:	त्रिभ्य:
षष्ठी	त्रयाणाम्	तिसृणाम्	त्रयाणाम्
सप्तमी	त्रिषु	तिसृषु	त्रिषु

সংখ্যাবাচক শব্দ

চতুর্-শব্দ নিত্য বহুবচনান্ত (চার- Four)

२०) चतुर्-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-बहुवचनान्तः शब्दः) :

	पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	क्लीवलिङ्गे
	बहुवचनम्	बहुवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	चत्वारः	चतस्रः	चत्वारि
द्वितीया	चतुरः	चतस्रः	चत्वारि
तृतीया	चतुर्भिः	चतसृभिः	चतुर्भिः
चतुर्थी	चतुर्भ्यः	चतसृभ्यः	चतुर्भ्यः
पञ्चमी	चतुर्भ्यः	चतसृभ्यः	चतुर्भ्यः
षष्ठी	चतुर्णाम्	चतसृणाम्	चतुर्णाम्
सप्तमी	चतुर्षु	चतसृषु	चतुर्षु

সংখ্যাবাচক শব্দ

পঞ্চন্-শব্দ নিত্য বহুবচনান্ত (পাঁচ - Five)

२१) पञ्चन्-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-बहुवचनान्तः शब्दः) :

प्रथमा	द्वितीया	तृतीया	चतुर्थी	पञ्चमा	षष्ठी	सप्तमी
पञ्च	पञ्च	पञ्चभिः	पञ्चभ्यः	पञ्चभ्यः	पञ्चानाम्	पञ्चसु

সংখ্যাবাচক শব্দ

ষস্-শব্দ নিত্য বহুবচনান্ত (ছয় - Six)

२२) षस्-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-बहुवचनान्तः शब्दः):

प्रथमा	द्वितीया	तृतीया	चतुथी	पञ्चमी	षष्ठी	सप्तमी
षट्	षट्	षड्भिः	षड्भ्यः	षड्भ्यः	षण्णाम्	षट्सु

সংখ্যাবাচক শব্দ

অষ্টন্-শব্দ নিত্য বহুবচনান্ত (আট - Eight)

२३) अष्टन्-शब्दस्य रूपाणि (नित्य-बहुवचनान्तः शब्दः) :

प्रथमा	द्वितीया	तृतीया	चतुथी	पञ्चमी	षष्ठी	सप्तमी
अष्टौ	अष्टौ	अष्टाभिः	अष्टाभ्यः	अष्टाभ्यः	अष्टानाम्	अष्टासु
अष्ट	अष्ट	अष्टभिः	अष्टभ्यः	अष्टभ्यः	X	अष्टसु

प्रश्नोत्तरपर्व

१)	नर-शब्दस्य तृतीयायाः एकवचने किं रूपं जायते?	नरेण।
२)	नर-शब्दस्य द्वितीयायाः बहुवचने किं रूपं जायते?	नरान्।
३)	राम-शब्दस्य तृतीयायाः बहुवचने किं रूपं जायते?	नरैः।